बिहार में, प्राकृतिक वनस्पति अपनी अलग स्थलाकृति का अनुसरण करती है। तीन प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियाँ प्रचलित हैं। हालांकि, राष्ट्रीय वन नीति के तहत आवश्यक प्रतिशत कवर से बहुत कम है। बिहार सरकार पुनर्वास और संरक्षण उपायों सहित वन क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास के लिए कई उपाय कर रही है। इस लेख में, हम आपके लिए बिहार राज्य परीक्षा भूगोल नोट्स: बिहार में वनस्पति लाये हैं। यह बी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा के साथ-साथ अन्य राज्य परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

बिहार में वनस्पति

प्राकृतिक वनस्पति मनुष्य द्वारा सीधे या परोक्ष रूप से अप्रभावित मौलिक पौधों का आवरण है। पारिस्थितिक रूप से, एक वन, मुख्यत: पेड़ और अन्य काष्टीय वनस्पति, आमतौर पर एक बंद चंदवा के साथएक पादप समुदाय है।

अभिलिखित वन क्षेत्र

- अधिकांश वन और वन्यजीव संसाधन भारत सरकार के स्वामित्व में हैं और इसका प्रबंधन वन विभाग जैसे कई विभागों के माध्यम से किया जाता है।भारत राज्य वन रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, **कुल अभिलिखित वन क्षेत्र 6,877.41 वर्ग किमी है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 30% है**।

संरक्षित वन

- वे वन जहाँ**चराई और खेती के अधिकार को** कुछ मामूली बाधाओं के अधीन रखा जाता है, संरक्षित वनों के रूप में जाने जाते हैं। बिहार का संरक्षित वन क्षेत्र **6,183** वर्ग किमी है, अर्थात **अभिलिखित वन क्षेत्र का 91%।**

संरक्षित वन

- वे वन जो**स्थायी रूप से या तो लकड़ी या अन्य वन उपज के उत्पादन के लिए निर्धारित** किए जाते **हैं**, जिसमें चराई और खेती का अधिकार बहुत कम होता है, संरक्षित वनों के रूप में जाने जाते हैं। बिहार का संरक्षित वन क्षेत्र 693 वर्ग किमी है, अर्थात **अभिलिखित वन क्षेत्र का 08%**।

अवर्गीकृत वन

- वे वन जो काफी हद तक**दुर्गम जंगलों या अनुपयोगी बंजर से** युक्त होते हैं, उन्हें अवर्गीकृत वन के रूप में जाना जाता है। बिहार का अवर्गीकृत वन 1 वर्ग किमी, अर्थात् **अभिलिखित वन क्षेत्र का 01% है**।

byjusexamprep.com

वन आवरण

- भारत राज्य वन रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, **बिहारका वन आवरण 7,306 वर्ग किमी है**, जिसमें से
    - **बहुत घने वन: 333 वर्ग किमी**,
    - **मध्यम रूप से घने वन**: 3,280 वर्ग किमी, और
    - **खुले वन**: 3,692 वर्ग किमी।
- **2011 की रिपोर्ट की तुलना**में बिहार का वन आवरण **3% कम हो गया है**। **भौगोलिक क्षेत्र के एक प्रतिशत के रूप में बिहार का वन क्षेत्र 8 प्रतिशत रहा**, जो कि राष्ट्रीय औसत 21.7 प्रतिशत से कम है।

वृक्ष आवरण

- वृक्ष आवरण को पेड़ों के छोटे समूह और अभिलिखित वन क्षेत्र के बाहर अलग-अलग पेड़ों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो एक हेक्टेयर से भी कम में फैले होते हैं।
- छह साल की अवधि में एकत्र किए गए वन से बाहर वृक्ष सूची (टी.ओ.एफ.) डेटा का उपयोग करके राज्य के वृक्ष आवरण का अनुमान लगाया गया है।राज्य में अनुमानित वृक्ष आवरण 2,003 वर्ग किमी है।

वन और वृक्ष आवरण

श्रेणी	**क्षेत्र (वर्ग किमी में)**
वृक्ष आवरण	2003 (2.1%)
वन आवरण	7299 (7.75%)
कुल	9309 (9.9%)

वनों का वर्गीकरण

वर्षा की उपलब्धता के आधार पर, वनों को तीन प्रकारों में विभाजित किया जाता है:

1. **नाम पर्णपाती वन**
    - ये वनउत्तर-पूर्व क्षेत्र में किशनगंजजिले, हिमालय तराई बेल्ट और सोमेश्वर पहाड़ियों में पाए जाते हैं। यहां, वर्षा 120 सेमी से अधिक होती है। इसलिए, घने वन पाए जाते हैं। साल सबसे अधिक पाया जाने वाले वृक्ष है। ये गर्मी के मौसम में अपने पत्ते गिरा देते हैं। सेमई, चम्पा, अशोक, केन, आम, और जामुन, करंज अर्क अन्य किस्में पाई जाती हैं।

byjusexamprep.com

- साल मिश्रित नम पर्णपाती वन(उत्तरी नम साल वन)मुख्य रूप से पश्चिमीचंपारणमें फैले हैं और आंशिक रूप से कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नालंदा, नवादा, जमुई, बांका और मुंगेर की घाटियों में फैले हैं।

2. **शुष्क पर्णपाती वन**
   - ये बिहार में सबसे अधिक पाए जाने वाले वन हैं।शुष्क पर्णपाती वन दक्षिणी जिलों में मैदानी और प्रायद्वीपीय क्षेत्र दोनों में पाए जाते हैं।
   - ये120 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये बहुत घने नहीं होते, ऊंचाई में छोटे होते हैं।
   - अमलतास, शीसम, महुआ, खैर, पलास,अमिया, हर्र, औरबहेड़ामुख्य किस्में हैं। साल मिश्रित शुष्क पर्णपाती वन (उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन) प्राकृतिक वनस्पति आवरण के तहत अधिकतर भाग को घेर लेते हैं और मुख्य रूप से कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया,नालंदा,नवादा,जमुई,बांका और मुंगेर जिलों में पाए जाते हैं।
   - येछोटानागपुरपठार के उत्तरी भाग और कैमूर पहाड़ियों में पाए जाते हैं। इसके अलावा, ये उत्तर-पूर्व बिहार में पूर्णिया, अरणा और रक्सौल में भी पाए जाते हैं।
3. **अवधि वन**
   - ये नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में पाए जाते हैं।160 सेमी से अधिक वर्षा वाले पहाड़ी क्षेत्रों में, नम पर्णपाती वन पाए जाते हैं।शुष्क शिवालिक साल वन मुख्य रूप से पश्चिमचंपारणजिलेमेंशिवालिक श्रृंखला में फैले हुए हैं।
   - कैनब्रेक (उष्णकटिबंधीय मौसमी दलदल जंगल) मुख्य रूप से पश्चिमचंपारणजिले में पाए जाते हैं। साल, शीशम, खैर, तून और सेमई यहां पाई जाने वाली महत्वपूर्ण किस्में हैं।

बिहार वन नीति

- इसका उद्देश्यराष्ट्रीय वन नीति लक्ष्य को पूरा करने के लिए कुल भौगोलिक क्षेत्र के 33% तक वन आवरण को बढ़ाना है। राज्य सरकार ने दोतरफा दृष्टिकोण अपनाया है, जो इस प्रकार है:
- **वानिकी विकास**
  - वानिकी विकास के तहत वन आवरण को 6,16,446 हेक्टेयर से बढ़ाकर 31,03,011 हेक्टेयर करना है।इसका उद्देश्य गैर-कृषि योग्य भूमि पर वन आवरण बढ़ाना है।इस उद्देश्य के लिए लगभग 1000 वर्ग किमी भूमि का चयन किया गया है।
  - बंजर भूमि, स्कूल, और कॉलेज, निजी संस्थानों को वनीकरणकार्यक्रम केतहत चुना गया है।
- **पुनर्वास और संरक्षण**
  - जैव विविधता में गिरावट को रोकने के लिए, राज्य वन नीति में पुनर्वास और संरक्षण को उचित महत्व दिया गया है।
  - महत्वपूर्ण तरीके अपनाए गए हैं, जैसे:

byjusexamprep.com

- **पतित वन क्षेत्र का पुनर्जनन:**उन क्षेत्रों में जहां वन घनत्व 40% से कम हो गया है, गैर-सरकारी संगठन, नागरिक, अंतर्राष्ट्रीय संस्थान वन पुनर्जनन के लिए शामिल किए गए हैं।वन सुरक्षा और प्रबंधन समितियां ग्राम स्तर पर बनाई गई हैं। सार्वजनिक भागीदारी बरकरार रखने के लिए, इस जंगल से प्राप्त आय वितरित की जाती है।
- **सामाजिक वानिकी:**पतित क्षेत्रों में, निजी और सामुदायिक भागीदारी द्वारा वनीकरण को बढ़ावा दिया जाता है।

byjusexamprep.com